निर्धनता_ एक चुनौती

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» निर्धनता के दो मामले और बहुआयामी पहलू

प्रश्न 1 (आसान). निर्धनता का क्या अर्थ है?
उत्तर – जीवन निर्वाह के लिए मूलभूत आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य का अभाव।

प्रश्न 2 (आसान). ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता का एक प्रमुख कारण क्या है?
उत्तर – भूमिहीनता और नियमित रोज़गार का अभाव।

प्रश्न 3 (मध्यम). रामसरन और लक्खा सिंह के मामलों में क्या मुख्य अंतर है?
उत्तर – रामसरन शहरी निर्धनता (अनियमित मजदूरी, महँगा शहर, छोटा किराया का मकान) का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि लक्खा सिंह ग्रामीण निर्धनता (भूमिहीनता, कम दैनिक मजदूरी, बड़े परिवार) का।

प्रश्न 4 (कठिन). सामाजिक अपवर्जन (Social Exclusion) निर्धनता का कारण और परिणाम दोनों कैसे है?
उत्तर – गरीब होने के कारण लोगों को बेहतर सुविधाओं और संपन्न समाज से अलग रखा जाता है (परिणाम), और इस अलगाव के कारण उन्हें बेहतर अवसर नहीं मिलते, जिससे वे गरीब ही बने रहते हैं (कारण)।

» सामाजिक वैज्ञानिकों की दृष्टि में निर्धनता: सामाजिक अपवर्जन और असुरक्षा

प्रश्न 5 (आसान). सामाजिक अपवर्जन का एक मुख्य सामाजिक कारण भारत में क्या रहा है?
उत्तर – जाति-व्यवस्था।

प्रश्न 6 (आसान). असुरक्षा (Vulnerability) का क्या अर्थ है?
उत्तर – किसी व्यक्ति या समूह की भविष्य में निर्धन होने या बने रहने की अधिक संभावना।

प्रश्न 7 (मध्यम). सामाजिक अपवर्जन निर्धनता का 'कारण और परिणाम दोनों' कैसे है?
उत्तर – सुविधाओं से बाहर रखे जाने से व्यक्ति गरीब बनता है (कारण), और गरीब होने के कारण उसे गंदी बस्तियों में अलग-थलग रहना पड़ता है (परिणाम)।

प्रश्न 8 (कठिन). प्राकृतिक आपदा के समय कोई व्यक्ति निर्धन न होते हुए भी 'असुरक्षित' क्यों माना जा सकता है?
उत्तर – यदि उसके पास स्वास्थ्य बीमा, बचत या वैकल्पिक रोजगार के साधन नहीं हैं, तो आपदा आते ही उसके निर्धनता रेखा से नीचे गिरने का बड़ा जोखिम होता है।

» निर्धनता रेखा और कैलोरी मापदंड

प्रश्न 9 (आसान). ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिदिन कितना कैलोरी मापदंड तय किया गया है?
उत्तर – 2400 कैलोरी

प्रश्न 10 (आसान). शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम कैलोरी की आवश्यकता क्यों मानी गई है?
उत्तर – क्योंकि शहरी क्षेत्र के लोगों को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की तुलना में कम शारीरिक श्रम करना पड़ता है।

प्रश्न 11 (मध्यम). निर्धनता रेखा से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – आय या उपभोग का वह न्यूनतम स्तर, जिससे नीचे जीवन यापन करने वाले व्यक्तियों को निर्धन माना जाता है।

प्रश्न 12 (कठिन). शहरी क्षेत्र में 4 सदस्यों वाले परिवार को निर्धनता रेखा से ऊपर रहने के लिए प्रतिदिन कुल कितनी कैलोरी की आवश्यकता होगी?
उत्तर – प्रति व्यक्ति 2100 कैलोरी के हिसाब से 4 सदस्यों के लिए कुल 4 × 2100 = 8400 कैलोरी प्रतिदिन आवश्यक होगी।

» राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक (MPI)

प्रश्न 13 (आसान). भारत में राष्ट्रीय MPI कौन-सी संस्था तैयार करती है?
उत्तर – नीति आयोग (NITI Aayog)।

प्रश्न 14 (आसान). MPI में कुल कितने विकासात्मक सूचकों (indicators) का उपयोग किया जाता है?
उत्तर – कुल 12 सूचकों का।

प्रश्न 15 (मध्यम). राष्ट्रीय MPI के तीन मुख्य आयाम (Dimensions) कौन-कौन से हैं?
उत्तर – स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर।

प्रश्न 16 (कठिन). जीवन स्तर (Standard of Living) आयाम के अंतर्गत आने वाले कोई चार सूचक बताइए।
उत्तर – खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता (शौचालय), पेयजल, बिजली, आवास, संपत्ति या बैंक खाता।

» निर्धनता के अनुमान और अंतर्राज्यीय असमानताएँ

प्रश्न 17 (आसान). HCR का पूर्ण रूप (Full Form) क्या है?
उत्तर – Head Count Ratio (हेड काउंट रेशियो)

प्रश्न 18 (आसान). केरल ने निर्धनता कम करने के लिए मुख्य रूप से किस पर ध्यान दिया?
उत्तर – मानव संसाधन विकास (शिक्षा और स्वास्थ्य)

प्रश्न 19 (मध्यम). पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश ने निर्धनता घटाने के लिए कौन-कौन से अलग उपाय अपनाए?
उत्तर – पश्चिम बंगाल ने भूमि सुधार उपायों को लागू किया, जबकि आंध्र प्रदेश ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन व्यवस्था) के माध्यम से अनाज का प्रभावी वितरण किया।

प्रश्न 20 (कठिन). राष्ट्रीय स्तर पर HCR में गिरावट आने के बावजूद अंतर्राज्यीय असमानताएँ क्यों बनी रहती हैं? दो कारण लिखिए।
उत्तर – 1. राज्यों में बुनियादी ढाँचे (शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग) के विकास की गति अलग-अलग है। 2. हर राज्य में सरकारी नीतियों और राज्य-स्तरीय योजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर भिन्न होता है।

» असुरक्षित समूह

प्रश्न 21 (आसान). भारत में सामाजिक दृष्टि से सबसे असुरक्षित समूह कौन से माने जाते हैं?
उत्तर – अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के परिवार।

प्रश्न 22 (आसान). शहरों में कौन सा आर्थिक समूह निर्धनता के प्रति सबसे अधिक असुरक्षित है?
उत्तर – अनियत मजदूर या कैज़ुअल दिहाड़ी मजदूर।

प्रश्न 23 (मध्यम). निर्धनता के संदर्भ में 'असुरक्षा' की अवधारणा से क्या तात्पर्य है?
उत्तर – असुरक्षा का अर्थ किसी विशेष समुदाय या व्यक्ति के भावी वर्षों में निर्धन होने या निर्धन बने रहने की उच्च संभावना से है।

प्रश्न 24 (कठिन). सामाजिक अपवर्जन और असुरक्षा एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए हैं?
उत्तर – सामाजिक अपवर्जन से कुछ समूहों को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों से दूर रखा जाता है, जिससे उनके पास परिसंपत्तियों की कमी हो जाती है और वे आर्थिक आपदाओं के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित बन जाते हैं।

» वैश्विक निर्धनता परिदृश्य और सतत विकास लक्ष्य (SDG)

प्रश्न 25 (आसान). विश्व बैंक के अनुसार अत्यधिक निर्धनता की रेखा कितने डॉलर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन निर्धारित की गई है?

उत्तर – $2.15 प्रति व्यक्ति प्रतिदिन

प्रश्न 26 (आसान). सतत विकास लक्ष्य 1 (SDG 1) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर – वर्ष 2030 तक दुनिया से गरीबी के सभी रूपों को समाप्त करना (No Poverty)।

प्रश्न 27 (मध्यम). विभिन्न देशों में गरीबी की तुलना करने के लिए केवल स्थानीय मुद्रा के बजाय अंतरराष्ट्रीय मापदंड की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर – क्योंकि हर देश की कीमतों, रहन-सहन के स्तर और मुद्रा के मूल्यों में अंतर होता है; अंतरराष्ट्रीय मापदंड (PPP) से एक समान तुलना संभव होती है।

प्रश्न 28 (कठिन). क्रय शक्ति समता (PPP) का वैश्विक निर्धनता रेखा निर्धारित करने में क्या महत्व है?

उत्तर – PPP यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न देशों की मुद्राओं की क्रय शक्ति को समान स्तर पर लाकर यह देखा जा सके कि एक निश्चित राशि से अलग-अलग देशों में वास्तव में कितना सामान खरीदा जा सकता है।

» निर्धनता के कारण

प्रश्न 29 (आसान). अंग्रेजों के शासनकाल ने भारत की पारंपरिक अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर – ब्रिटिश शासन ने भारत के पारंपरिक कुटीर और हस्तशिल्प उद्योगों को नष्ट कर दिया, जिससे भारी बेरोजगारी फैली।

प्रश्न 30 (आसान). ऋणग्रस्तता (Indebtedness) निर्धनता का कारण कैसे बनती है?

उत्तर – ऊँचे ब्याज पर लिया गया कर्ज न चुका पाने के कारण व्यक्ति कर्ज के दुष्चक्र में फँस जाता है और अधिक गरीब हो जाता है।

प्रश्न 31 (मध्यम). भूमि के असमान वितरण का ग्रामीण निर्धनता से क्या संबंध है?

उत्तर – ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन श्रमिकों के पास आय का स्थायी साधन नहीं होता, जिससे वे मजदूरी पर निर्भर रहते हैं और गरीब बने रहते हैं।

प्रश्न 32 (कठिन). सामाजिक और सांस्कृतिक कारक किस प्रकार किसी परिवार को निर्धनता की ओर धकेलते हैं?

उत्तर – धार्मिक अनुष्ठानों, विवाह और सामाजिक प्रथाओं को पूरा करने के लिए निर्धन लोग अपनी क्षमता से अधिक खर्च करते हैं, जिसके लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ता है जो गरीबी का कारण बनता है।

» निर्धनता-निरोधी उपाय और सरकारी योजनाएँ

प्रश्न 33 (आसान). मनरेगा (MNREGA) के तहत ग्रामीण परिवार को एक साल में कितने दिनों के गारंटीकृत रोजगार का प्रावधान है?

उत्तर – कम से कम 100 दिनों का।

प्रश्न 34 (आसान). PM उज्ज्वला योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर – ग्रामीण और निर्धन महिलाओं को स्वच्छ ईंधन (LPG गैस कनेक्शन) उपलब्ध कराना।

प्रश्न 35 (मध्यम). आर्थिक संवृद्धि (Economic Growth) निर्धनता को कम करने में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर – यह नए रोजगार और अवसर पैदा करती है तथा शिक्षा व स्वास्थ्य में निवेश के लिए संसाधन उपलब्ध कराती है।

प्रश्न 36 (कठिन). केवल आर्थिक संवृद्धि से गरीबी पूरी तरह क्यों नहीं मिट पाती, और इसके लिए 'लक्षित कार्यक्रमों' की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

उत्तर – क्योंकि आर्थिक विकास का लाभ ग्रामीण और कृषि क्षेत्र के गरीबों तक तुरंत या सीधे नहीं पहुँच पाता; इसीलिए सीधी मदद और रोजगार सुरक्षा के लिए लक्षित योजनाओं की जरूरत होती है।

» भावी चुनौतियाँ और 'मानव निर्धनता' की अवधारणा

प्रश्न 37 (आसान). 'मानव निर्धनता' में आय के अलावा कौन से दो मुख्य कारक शामिल हैं?
उत्तर – शिक्षा और स्वास्थ्य।

प्रश्न 38 (आसान). क्या केवल पेट भरना मानव निर्धनता से मुक्ति है?
उत्तर – नहीं, सम्मानजनक जीवन और शिक्षा भी आवश्यक है।

प्रश्न 39 (मध्यम). भारत में गरीबी उन्मूलन के सामने आने वाली दो मुख्य भावी चुनौतियाँ क्या हैं?
उत्तर – सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ व शिक्षा उपलब्ध कराना और लैंगिक तथा सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना।

प्रश्न 40 (कठिन). व्याख्या कीजिए कि विकास के साथ निर्धनता की परिभाषा क्यों बदल जाती है?
उत्तर – जैसे-जैसे देश का विकास होता है, न्यूनतम आवश्यकता का दायरा सिर्फ बुनियादी भोजन से बढ़कर बेहतर स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन तक विस्तृत हो जाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. यदि किसी परिवार के पास रहने को पक्का घर नहीं है, बच्चे स्कूल नहीं जाते और बीमार होने पर इलाज का पैसा नहीं है, तो क्या उसे केवल 'कम आय वाला' कहा जाएगा या बहुआयामी रूप से निर्धन?

› कदम 1: परिवार की स्थिति का विश्लेषण करें – यहाँ मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य तीनों सुविधाओं का अभाव है।

› कदम 2: बहुआयामी निर्धनता की परिभाषा लागू करें – गरीबी केवल आय तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन स्तर, स्वास्थ्य और शिक्षा के अभाव का योग है।

› कदम 3: निष्कर्ष निकालें – यह परिवार बहुआयामी रूप से निर्धन माना जाएगा।

उत्तर – यह परिवार बहुआयामी रूप से निर्धन (Multidimensionally Poor) है, क्योंकि यह जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित है।

उदाहरण 2. यदि किसी तटीय गाँव में चक्रवात (Cyclone) आता है, तो एक मछुआरे और एक बड़े नाव-कारखाना मालिक में से कौन 'असुरक्षित' श्रेणी में आएगा और क्यों?

› पहला कदम: दोनों के पास उपलब्ध संसाधनों की तुलना करें – मछुआरे के पास केवल एक छोटी नाव है, जबकि मालिक के पास बीमा और बचत है।

› दूसरा कदम: आपदा के प्रभाव का आकलन करें – चक्रवात में मछुआरे की रोज़ी-रोटी तुरंत बंद हो जाएगी और घर टूट जाएगा।

› तीसरा कदम: क्षमता का विश्लेषण – मछुआरे के पास दोबारा खड़े होने के लिए आर्थिक सुरक्षा नहीं है।

उत्तर – छोटा मछुआरा अधिक 'असुरक्षित' (Vulnerable) है क्योंकि जोखिम से निपटने के लिए उसके पास बचत, पक्का आवास या बीमा जैसी संपत्तियाँ नहीं हैं।

उदाहरण 3. यदि ग्रामीण क्षेत्र में 5 सदस्यों का एक परिवार प्रतिदिन कुल 11,000 कैलोरी प्राप्त करता है, तो क्या यह परिवार कैलोरी मापदंड के अनुसार निर्धनता रेखा से नीचे है?

› चरण 1: ग्रामीण क्षेत्र के लिए प्रति व्यक्ति आवश्यक मानक कैलोरी = 2400 कैलोरी/दिन।

› चरण 2: 5 सदस्यों के परिवार की कुल आवश्यक कैलोरी = 5 × 2400 = 12,000 कैलोरी/दिन।

› चरण 3: परिवार द्वारा वास्तव में प्राप्त कैलोरी = 11,000 कैलोरी/दिन।

› चरण 4: तुलना करें – 11,000 कैलोरी आवश्यक 12,000 कैलोरी से कम है (11000 < 12000)।

उत्तर – हाँ, यह परिवार कैलोरी मापदंड के अनुसार न्यूनतम आवश्यकता पूरी नहीं कर पा रहा है, इसलिए यह निर्धनता रेखा से नीचे माना जाएगा।

उदाहरण 4. यदि किसी परिवार में 12 साल के बच्चे ने कभी 6 साल की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं की है और घर में पक्का शौचालय भी नहीं है, तो क्या नीति आयोग के अनुसार यह परिवार बहुआयामी रूप से निर्धन माना जाएगा?

› स्टेप 1: नीति आयोग के 12 सूचकों की सूची को देखें।

› स्टेप 2: 'स्कूली शिक्षा के वर्ष' सूचक के अनुसार यदि 10 वर्ष से बड़े किसी बच्चे ने 6 वर्ष की शिक्षा नहीं पाई है, तो वह परिवार वंचित है।

› स्टेप 3: 'स्वच्छता' सूचक के अनुसार यदि घर में उन्नत शौचालय नहीं है, तो भी परिवार वंचित माना जाता है।

› स्टेप 4: इन सूचकों में वंचना पाए जाने के कारण परिवार बहुआयामी निर्धनता में गिना जाएगा।

उत्तर – हाँ, यह परिवार बहुआयामी रूप से निर्धन (Multidimensionally Poor) माना जाएगा।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक राज्य 'A' की कुल जनसंख्या 100 लाख है और वहाँ 25 लाख लोग निर्धनता रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। राज्य 'A' का हेड काउंट रेशियो (HCR) ज्ञात कीजिए।

› स्टेप 1: निर्धन व्यक्तियों की संख्या = 25 लाख

› स्टेप 2: कुल जनसंख्या = 100 लाख

› स्टेप 3: HCR सूत्र = (निर्धन व्यक्तियों की संख्या / कुल जनसंख्या) × 100

› स्टेप 4: HCR = (25 / 100) × 100 = 25%

उत्तर – राज्य 'A' का हेड काउंट रेशियो (HCR) 25% है।

उदाहरण 6. एक स्थिति का विश्लेषण कीजिए: 'सुनील एक भूमिहीन कृषि मजदूर है और सुमित एक सरकारी स्कूल का स्थाई शिक्षक है। बाढ़ आने पर कौन सा परिवार अधिक असुरक्षित है और क्यों?'

› कदम 1: दोनों परिवारों के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों की तुलना करें।

› कदम 2: सुमित के पास नियमित आय (नियत वेतन) है, इसलिए आपदा में भी उसकी आजीविका बनी रहेगी।

› कदम 3: सुनील भूमिहीन दिहाड़ी मजदूर है, बाढ़ आने से खेतों में काम बंद हो जाएगा और उसकी कोई बचत या संपत्ति भी नहीं है।

उत्तर – सुनील का परिवार 'असुरक्षित समूह' में आता है क्योंकि उसके पास आय की सुरक्षा और परिसंपत्तियों का अभाव है, जिससे संकट के समय वह तुरंत निर्धनता की चपेट में आ जाएगा।

उदाहरण 7. यदि किसी देश में एक व्यक्ति की दैनिक आय अंतरराष्ट्रीय क्रय शक्ति के अनुसार $1.80 प्रति दिन है, तो क्या विश्व बैंक के मापदंड के अनुसार वह व्यक्ति निर्धनता रेखा से नीचे है?

› स्टेप 1: विश्व बैंक की अंतरराष्ट्रीय अत्यधिक निर्धनता रेखा का मान पहचानें = $2.15 प्रति व्यक्ति/दिन।

› स्टेप 2: दिए गए व्यक्ति की दैनिक आय की तुलना इस मानक से करें = $1.80 प्रति दिन।

› स्टेप 3: चूंकि $1.80 की आय $2.15 के मानक से कम है ($1.80 < $2.15), इसलिए वह व्यक्ति निर्धन माना जाएगा।

उत्तर – हाँ, वह व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय निर्धनता रेखा ($2.15/दिन) से नीचे जीवन यापन कर रहा है और अत्यधिक निर्धन श्रेणी में आता है।

उदाहरण 8. प्रश्न: भारत में निर्धनता के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन मुख्य ऐतिहासिक व आर्थिक कारणों की व्याख्या कीजिए।

› स्टेप 1 (ऐतिहासिक कारण): ब्रिटिश शासन द्वारा भारत के कुटीर व वस्त्र उद्योग को नष्ट करना, जिससे रोजगार के अवसर समाप्त हुए।

› स्टेप 2 (जनसंख्या वृद्धि): आजादी के बाद जनसंख्या तेजी से बढ़ी लेकिन राष्ट्रीय आय में उतनी वृद्धि नहीं हुई, जिससे प्रति व्यक्ति आय कम रही।

› स्टेप 3 (भूमि का असमान वितरण): ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश किसानों के पास अपनी भूमि न होना और अनार्जित कर्ज के कारण ऋणग्रस्तता में फँसना।

उत्तर – उत्तर: औपनिवेशिक नीतियाँ, तीव्र जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों (भूमि) का असमान वितरण भारत में गरीबी के तीन प्रमुख कारण हैं।

उदाहरण 9. यदि किसी ग्रामीण निर्धन परिवार के पास खेती की ज़मीन नहीं है और कोई नियमित काम नहीं मिल रहा है, तो सरकार की कौन सी योजना उसकी न्यूनतम आय और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी?

› कदम 1: परिवार की मुख्य समस्या नियमित काम और आजीविका की कमी है।

› कदम 2: MNREGA (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) ऐसे अकुशल ग्रामीण परिवारों को साल में कम से कम 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देता है।

› कदम 3: इस रोजगार से मिली मजदूरी से परिवार की न्यूनतम आय तय होती है और उनके बच्चों को स्कूल में PM POSHAN के तहत भोजन भी मलि जाता है।

उत्तर – मनरेगा (MNREGA) योजना न्यूनतम आय सुनिश्चित करेगी और PM पोषण योजना बच्चों की खाद्य सुरक्षा।

उदाहरण 10. प्रश्न: 'पारंपरिक निर्धनता' और 'मानव निर्धनता' की अवधारणा में क्या मुख्य अंतर है?

› स्टेप 1: पारंपरिक निर्धनता केवल न्यूनतम आय या भोजन (कैलोरी उपभोग) पर आधारित होती है।

› स्टेप 2: मानव निर्धनता आय के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सुरक्षा, लैंगिक समानता और आत्म-सम्मान को भी शामिल करती है।

› स्टेप 3: निष्कर्ष लिखें कि मानव निर्धनता व्यक्ति के सर्वांगीण विकास और गरिमापूर्ण जीवन पर बल देती है।

उत्तर – पारंपरिक निर्धनता केवल जीवन जीने के न्यूनतम स्तर (भोजन) की बात करती है, जबकि मानव निर्धनता यथोचित और सम्मानजनक जीवन स्तर (शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार) की बात करती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• परीक्षकों का पसंदीदा सवाल: 'निर्धनता के विभिन्न आयामों का वर्णन कीजिए' – इसमें भुखमरी और स्वास्थ्य के साथ सामाजिक अपवर्जन को लिखना न भूलें।

• बोर्ड परीक्षा में 'सामाजिक अपवर्जन' पर प्रश्न आए तो यह ज़रूर लिखें कि यह गरीबी का 'कारण और परिणाम' दोनों है – इसके पूरे अंक मिलते हैं!

• परीक्षा में ग्रामीण और शहरी कैलोरी के अंतर का कारण (शारीरिक श्रम) ज़रूर लिखें, केवल संख्या लिखने से पूरे अंक नहीं मिलते।

• बोर्ड परीक्षा में 12 सूचकों के नाम और तीनों आयाम (स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन स्तर) अलग-अलग बिंदुओं में लिखने से पूरे अंक मिलते हैं।

• बोर्ड और वार्षिक परीक्षा में अक्सर राज्यों के नाम और उनके द्वारा अपनाए गए विशिष्ट निर्धनता-निवारण उपायों का मिलान करने या 3 अंक का प्रश्न पूछा जाता है – केरल (मानव संसाधन), बंगाल (भूमि सुधार), आंध्र/तमिलनाडु (PDS) को स्पष्ट याद रखें।

• बोर्ड परीक्षा में 3 अंक का प्रश्न आए तो सामाजिक (SC/ST) और आर्थिक (कृषि व अनियत मजदूर) दोनों श्रेणियों को अलग-अलग शीर्षकों में साफ-साफ लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में 3-अंकों के प्रश्न में विश्व बैंक का मापदंड ($2.15) और SDG 1 का लक्ष्य वर्ष (2030) स्पष्ट रूप से उत्तर में ज़रूर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में 'निर्धनता के कारण' पर 5 अंकों का प्रश्न बार-बार आता है; हमेशा बिंदुओं (Points) में उत्तर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में मनरेगा पर 3-अंक का प्रश्न अक्सर आता है। उत्तर में '100 दिन का रोजगार' और '1/3 महिलाओं के लिए आरक्षण' लिखना कभी न भूलें।

• बोर्ड परीक्षा में अगर 'मानव निर्धनता' पर 3 या 5 अंकों का प्रश्न आए, तो सिर्फ पैसे या भोजन की बात न करें; शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भेदभाव के बिंदुओं को हेडिंग बनाकर लिखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› निर्धनता आय की कमी के साथ-साथ भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान का अभाव है।
› अपवर्जन मुख्यधारा से अलग करता है; असुरक्षा आपदाओं में गरीबी का जोखिम बढ़ाती है।
› ग्रामीण: 2400 कैलोरी/दिन, शहरी: 2100 कैलोरी/दिन – आधार शारीरिक श्रम।
› MPI नीति आयोग द्वारा 12 सूचकों (स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन स्तर) पर आधारित गैर-आय गरीबी मापक है।
› HCR में राष्ट्रीय गिरावट के बावजूद राज्यों के बीच निर्धनता में भारी अंतर्राज्यीय असमानता बनी हुई है।
› SC/ST तथा भूमिहीन एवं अनियत मजदूर निर्धनता के प्रति सर्वाधिक असुरक्षित समूह हैं।
› विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय निर्धनता रेखा: $2.15/दिन; SDG-1 का लक्ष्य: 2030 तक गरीबी समाप्त।
› ब्रिटिश नीति, जनसंख्या वृद्धि, भूमिहीनता, कर्जजाल और सामाजिक खर्च गरीबी के मुख्य कारण हैं।
› गरीबी उन्मूलन = आर्थिक संवृद्धि + लक्षित सरकारी योजनाएँ (मनरेगा, उज्ज्वला, PM पोषण)।
› मानव निर्धनता = आय से परे शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता और सम्मानजनक जीवन की पहुँच।